

धयाग ॥ ॐ ॥ १ लादिगेन सुमिदरु ॥ कस्यनिव उगात्रय ॥
कुरुधनस्यार ॥ सिंधनचमदा ००गा ॥ १ ॥ अजविमयारुन
॥ दादसिहिवरुदसि ॥ कनराधामवाठुयुविक्रमसकमिसदा
२ ॥ समिगुनवमियरु ॥ अवनत्रादिमिममननमसगनेव क
धोया गयकिणिगा ॥ ३ ॥ चरुविरु उगावादा ॥ कर्वाया अविमा व
य ॥ नकादसि उथादसि ॥ अविउतवकवजय ॥ ४ ॥ रामवविठि
नीयाव ॥ कस्यमिवरुथादसि ॥ मलसिमनिमग (शुसा) ॥ सिधिवडा

रुदयदा ॥ ५ ॥ रामलाडाधनस्य ॥ यत्रियरु उयदा ॥ वाकस्य
उगावादा ॥ दसीयादिवाकवजय ॥ कुरुवात्रेयाव ॥ सकमिदाद
सिरुथा ॥ मजकनराधामसं ॥ कुरुकात्रादिमिठुरुं ॥ ६ ॥ क
धधनस्यारुनसि ॥ कुरुनिमत्रसंशुन ॥ गिगिया नवमि (धध) ॥
युगियदायत्रिवजय ॥ ७ ॥ कुरुदशायधमव ॥ कुरुमासिदि
सावने ॥ कुरुदशायधमव ॥ कुरुदशायधमव ॥ ८ ॥ कुरु
व कस्यमिवरुथि ॥ लाडारुनुनिमदा ॥ कुरुकावाकनिववि

विष्णुमन्त्रादिभिः ॥ १० ॥ शुक्रयौगैरियदावधि ॥ नृका
सिंहायदसि ॥ एतन्मन्त्रिगियाउगावादा ॥ दम्भवृत्तनप्रवर्गि ॥
११ ॥ एतज्जवत्रादिनिष्ठस्य ॥ इगियासकमिसदा ॥ मद्यायूक्तल
लुसा ॥ सकर्मनिवृत्तयम् ॥ १२ ॥ सनिवृत्तयिनवमि ॥ वगुदसि
वत्रादिभिः सगागात्रामद्यास्त्रिभिः ॥ सिद्धिगयवस्तुमि ॥ १३ ॥ श्री
नरुस्तुउगावादा ॥ प्रवर्गिविगयस्त्री ॥ वक्षीउगास्तुमिच ॥ मनि
वानवृत्तयम् ॥ १४ ॥ वृत्तिजमद्यम् ॥ गयम् ॥ ॥ ० ॥

नि
म
ना
या
न
ति
अ
ना
या

१ नमः २ शुक्राय ॥ शिवाय विष्णवे ॥ अथ ॥ अथ कनकविशालाय च ॥ सप्तदश
 रुद्रा ॥ सुपयश्च यद्वरः ॥ यद्विदि गमस्तुता ॥ वाञ्छरं गवागवयुवा
 स ॥ नयस्तुतास्तुता ॥ यव ० ० ० मिश्र ॥ मिश्रीवचकं ॥ वागवयुवः
 ॥ यव ० ० ० ॥ सायकस्तुतास्तुता ॥ यवदस्तुता ॥ उयतं व ॥ इयुवसा
 य ॥ ॥ ययस्तुतास्तुता ॥ कयस्तुतास्तुता ॥ ० ० ० ॥ यिद्यद्विदि गयस्तुता
 यमि ॥ अथ अथवा गा ॥ यवस्तुतास्तुता ॥ रुयउयमिइयुवसा ॥ ॥
 नयस्तुतास्तुता ॥ वाञ्छरं यवद ० ० ० वस्य च ॥ ४५ यवस्तुतास्तुता ॥ म

[illegible]

संस्तुताः सायमात्रीव ॥ युष्मिन्मन्त्रे सायमात्रीव ॥ त्रिभिः
 ३४ त्रयदेव ॥ वायव्यमन्त्रं सायमात्रीव ॥ कुरु कुरु यव ॥ उत सायमात्रीव
 त्रयसा ॥ त्रिभिः कुरु कुरु यव ॥ उत सायमात्रीव ॥ वायव्यमन्त्रं सायमात्रीव
 देव ॥ त्रिभिः कुरु कुरु यव ॥ उत सायमात्रीव ॥ वायव्यमन्त्रं सायमात्रीव
 मन्त्रं सायमात्रीव ॥ त्रिभिः कुरु कुरु यव ॥ उत सायमात्रीव ॥ वायव्यमन्त्रं
 यव ॥ त्रिभिः कुरु कुरु यव ॥ उत सायमात्रीव ॥ वायव्यमन्त्रं सायमात्रीव
 ३५ दैव नयदेव ॥ त्रिभिः कुरु कुरु यव ॥ उत सायमात्रीव ॥ वायव्यमन्त्रं

JM. BURKAPARTS.A

[illegible]

ॐ २
 वायव्य ॥ अ ॥ अग्निदुष्टरयमदा ॥ ४ ॥ वस्तुस्थितिदय
 सिद्धि ॥ की ॥ काकीविदजः मंनसिद्धि ॥ ५ ॥ स्थितिदय
 यत्रयसुगमन ॥ ६ ॥ नमः कामिदयिन ॥ काथायिदयः गम
 मवदय ॥ वृषस्थितिदयः गयननन ॥ ७ ॥ कुतः स्थितिदयः समि
 यथाना ॥ वृद्धस्थितिदयः अगमयुनी ॥ ८ ॥ नुमायिदयः ग
 मिननयवः आवसिद्धि ॥ ९ ॥ गमयः स्थितिदयः गमययनी ॥ १० ॥
 दिगमः स्थितिदयः गयीनयना ॥ ११ ॥ केतुः वृषः कुतः गमय

थिरसायनिवध्नः॥ धानिध्नः, अहो धेनसा, धनऊन स्यास
सियरु॥

१	२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६	५८	६०	६२	६४	६६	६८	७०	७२	७४	७६	७८	८०	८२	८४	८६	८८	९०	९२	९४	९६	९८	१००
१	२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६	५८	६०	६२	६४	६६	६८	७०	७२	७४	७६	७८	८०	८२	८४	८६	८८	९०	९२	९४	९६	९८	१००
१	२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६	५८	६०	६२	६४	६६	६८	७०	७२	७४	७६	७८	८०	८२	८४	८६	८८	९०	९२	९४	९६	९८	१००

सदेह ॥ १ वनऊनदया ॥ १ मदनवृष्टयदया

एतन्मोहानपि विनाशयेत् ॥ यूर्वसखिवाः कालसाः कञ्जसिद्धि
रुच्युः ॥ मन्त्रसः खिवा कालसाः सिकन्दरुः ॥ दक्षिणसखिवा कान
साः धनवाहः ॥ नमः सः खिवा कालसाः कलकलरुः कानिहः
युः ॥ यक्षिभसः खिवा कालसाः कानिऊनारुदयः ॥ यययसखि
वा कालसाः यिधमवः ॥ युगया रुचयय ॥ उगसखिवा काल
साः युदसुनया कानवयः कालसागवयः ॥ ॐ धमनसखिवा
कालसाः धननासः ॥ ॐ रुचयय ॥ धर्मे खिवा कालसाः ॥ ॐ रु

ॐ सिद्धि युक्ता ॥ ३ ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ ४ ॥ ॐ
व्याघ्राय नमः ॥ ५ ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ ६ ॥ ॐ
कामादि ह्रीं ह्रीं ॥ ७ ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ ८ ॥ ॐ
याता व्याघ्राय नमः ॥ ९ ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ १० ॥
ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ ११ ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ १२ ॥
ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ १३ ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ १४ ॥
ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ १५ ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ १६ ॥

[illegible]

धनियवाकिडा। ६ याडी। यदिहं वा लकडू। की न के। मोयातइवा
 ७ ॥ ८ ॥ यथनश्चगुक्कडू उधु। रुनियाडी। सिसाया। जलसविम
 ९ य। गुरुनास॥ ८ ॥ रुमयवमि। युयाहा। यु। रिमवाजगिदे
 ३ सायु। यु २ २० मिस्कोडा। यवम। झससंथन। दिन १३ सरी
 ४ यिहाकेय। कियवाहा॥ ९ ॥ रुमालयतीरुवा। लीअवकुमि
 ५ केसत्र। रिमवा। नवून। थन। सा। धीसुनयाव। मोयसतसा। री।
 ६ याडी। सहाकेयीडा। रुमवयाया। थं हनीडा॥ १० ॥ झादूरा

नहाणा। प्रयर्थं गु। धनि। थन वं वस। टीयाडा। कसी
 सवासाव। थडावि। गस। वयनयास। सडागयाय। मिमानका
 मरु वं डा। वाहा॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
 २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥
 ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥
 ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥
 ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥
 ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥
 ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥
 ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥
 ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

धुलीय पुनाम ॥ मावा वृय मरुडाया मीपु वकन जययाव ॥
सतिनकाय ॥ १७ ॥ १६ यकिव तुव वेथयमयदराडा माव
ना मावनाका राथाकाकिनी किवडा वायविव रुनिम
नरुविके काग्मा उवा मनु ठठठठनो वाव ॥ साव कादमरु
डाया ॥ मनु वकन जययाडा ॥ १८ ॥ ॥ ॥
१७ ठठठठनो वाव ॥ किं ठठठठनो वाव ॥ ठठठठनो वाव ॥
ना वाजा मादि युजा मादि वरुस वसे थान वद मादि मा ग ॥

यात्रकि नगमासिद्धि युव नाग्मा ॥ धा ३ वाजमा रुनिम
खान वरु मीपु जययधमकेर थमलवया अया नामक
याडा ॥ थमवयि कि रुयिडा ॥ ॥ ॥ १७ ठठठठनो वाव ॥
व १ ॥ थकाने या न मनु उव गा रुद मलव के या न ॥
ठठठठनो वाव ॥ ठठठठनो वाव ॥ ठठठठनो वाव ॥
मीनिय नाग्मा ॥ ठठठठनो वाव ॥ ॥ ॥ १७ ठठठठनो वाव ॥
साकि वके ॥ थडा वसे रुयि ॥ ॥ १७ ठठठठनो वाव ॥

सममर्षिं त्रिपरुयं नास्ति ससिस्तरुयं नदि दंडाघवतः क्रोदि स
स्वरुर्न नमस्वाहा ॥ ध्रुव १ ॥ त्रयउयस्य इवासुथहा
आयाता नाना आता इरुतिवहाता कडापुसांति सुनेयुसां
ति मव नमस्वाहा याति ॥ २ ॥ सुसममि ससमवनि
मुनः (ग्वजीरिही) ड्रुं हं इह स्वाहा ॥ ध्रुव १ ॥ त्रयउयुयडि
युय त्रयउयुयाता नाना कयत नास मवुयाहाम ग्ववक सुने
हिरु (मावयलम ५) कायाता यस्य सनु जेयविडा दयविडा

अवदुवना त्रि दिमति वंधडा जाय कसन कथमवंडा हा
हाव थथवावेमय मवीधु त्रि वाविहा मा मंकी चक्रुदिसा
हाव नसिरिवाद्य यौन वै त्रिनसन डुरु मुसगुम ठंठं वयोउ
वाव ॥ दिग्वी यरु ड्ययातां निन मनडा नया मंति ॥ ३ ॥
नया ॥ ७ ॥ १ ॥ अयुवि जीयन कंकु मदन दावूयक सन ॥ ४ ॥
सासु समरा मयाहाहा कसिन वासाता थपक्रेय वाय ॥ ५ ॥
थू काकहा मवनदा कययाचीता ॥ मववय सुसुयिडा ॥

